मंगलवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
22 अप्रैल 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 82
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मानसरोवर यात्रा 30 जून से

कुंजी में शिव धाम का होगा निर्माण

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। 5 साल के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार कैलाश मानसरोवर यात्रा के शुभारंभ का समय आ ही गया। केंद्र सरकार द्वारा संचालित की जाने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा 30 जून से शुरू होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यात्रा शुरू होने पर खुशी जताते हुए कहा है कि इससे उत्तराखंड का धार्मिक पर्यटन नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

उत्तराखंड और चीन बॉर्डर को जोड़ने वाले लिपुलेख रोड के निर्माण से कैलाश मानसरोवर की यात्रा का यह नया मार्ग प्रशस्त हो सका है। तय कार्यक्रम के अनुसार 30 जून से यात्रा की शुरुआत होगी तथा एक जत्थे में एक बार में 50 यात्री कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जा सकेंगे यह यात्रा 22 दिन में पूरी होगी। इस यात्रा पर इस साल

●50-50 यात्रियों के पांच जत्थे यात्रा पर भेजे जाएंगे
●22 दिन में पूरी होगी कैलाश मानसरोवर की यात्रा

50-50 यात्रियों के पांच जत्थे यात्रा पर भेजे जाएंगे और कुल ढाई सौ यात्री कैलाश मानसरोवर की यात्रा कर सकेंगे।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यात्रा मार्ग पड़ाव के रूप में कुंजी में शिव धाम का निर्माण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी बीते समय में यहां जाकर पार्वती सरोवर पर पूजा अर्चना की थी तथा यहां शिव धाम निर्माण की घोषणा की थी। बॉर्डर क्षेत्र में शिव धाम के निर्माण से राज्य के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने की बात कही जा रही है। मानसरोवर यात्रा के शुभारंभ का खबर पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने खुशी जताई है। उनका कहना है कि शिव धाम के रूप में एक और आस्था केंद्र की स्थापना होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

अलविदा पोप फ्रांसिस

आपने किस देश जाति और धर्म में जन्म लिया तथा आपकी आर्थिक और सामाजिक स्थितियां कैसी रही अथवा आप कितने साल जिए? आपके जन्मदाता कौन थे वह क्या करते थे? इनमें से कोई भी सवाल कुछ मायने नहीं रखता है। अगर कोई बात मायने रखती है तो वह सिर्फ यह बात है कि आपने अपना जीवन किन विचारों और सिद्धांतों के साथ जिया और अपने समाज के लिए क्या किया अथवा क्या दिया। बस इसी आधार पर लोग आपको याद करेंगे। पोप फ्रांसिस अब हमारे बीच नहीं रहे। 88 वर्ष का लंबा जीवन उन्होंने जिन मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं के साथ जिया अब उनके जाने के बाद पूरा विश्व उन्हें दया करुणा की प्रतिमूर्ति और सांप्रदायिक सौहार्द के ध्वज वाहक के रूप में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। निश्चित तौर पर उन्होंने अपने जीवन काल में एक नहीं अनेक ऐसे काम किये और अनेक संवेदनशील मुद्दों पर अपने विचार बेबाकी और निडरता के साथ सबके सामने रखें जो किसी सामान्य व्यक्ति के लिए संभव नहीं है। जब दुनिया भर के देश परमाणु हथियारों की होड़ में जुटे थे तब उन्होंने परमाणु हथियार रखने को अनैतिक बताया था। कैथोलिक चर्च में जब बच्चों के यौन शोषण का मामला सामने आया था उन्होंने पादरियों के इस कृत्य को न सिर्फ अनैतिक कृत्य बताया था बल्कि इसके लिए माफी तक मांगने में कोई संकोच नहीं किया था क्या किसी धर्मगुरु द्वारा इतना साहस दिखाया जा सकता है। इजरायल द्वारा गाजा में की जाने वाले बमबारी का जिस तरह उन्होंने खुला विरोध किया तथा कहा कि गाजा में मरने वालों के लिए हर दिन प्रार्थना की जानी चाहिए उन्होंने इजराइल से सीज फायर की अपील की और हमास से बंधकों को रिहा करने को कहा। वह अपने पूरे जीवन काल में युद्ध हिंसा की निंदा करते रहे तथा दया और करुणा का संदेश विश्व को देने वाले पोप फ्रांसिस का स्पष्ट मत था कि धर्म और समाज के लोगों को धार्मिक तथा विचार की अभिव्यक्ति होनी चाहिए। सत्ता भय से नहीं परस्पर प्रेम और सद्भाव से चलनी चाहिए। मारग्रेट लोगों के प्रति हमेशा उनके मन में दया और करुणा का भाव रहा तथा पश्चिम बंगाल के रोंहिग्या मुसलमानों को लेकर हमेशा चिंतित रहे तथा इसे एक त्रासद स्थिति बताते रहे। कोरोना काल में जब पूरा विश्व जीवन की जंग लड़ रहा था उस दौर में जब मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा वैक्सीन का विरोध किया जा रहा था तब उन्होंने कहा था कि स्वास्थ्य एक नैतिक जिम्मेदारी है तथा हम सभी को अपने और अपने आसपास के लोगों का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने खुलकर वैक्सीन का विरोध करने वालों की निंदा की थी। गर्भपात और समलैंगिकता जैसे मुद्दों पर उन्होंने बेबाकी से अपने विचार विश्व के सामने रखे। पोप फ्रांसिस सिर्फ एक ईसाई धर्म प्रचारक कभी नहीं रहे। उन्होंने दया और करुणा तथा इंसानियत को ही अपना धर्म माना और दृढ़ता के साथ इस मार्ग का अनुसरण भी किया। अभी चंद महीने पहले एक उद्यमी रतन टाटा की अंतिम विदाई पर हमने उनके लिए जिस शोक संवेदनाएं प्रकट करते हुए देश और दुनिया को देखा था ठीक वैसे ही शोक संवेदनाएं आज हम पोप फ्रांसिस की अंतिम विदाई के समय देख रहे हैं। भले ही उनके कार्यक्षेत्र और भाषा शैली अलग रहे हो लेकिन मानवता की पाठशाला से इन ध्वजवाहकों को समाज कभी नहीं भूल सकता है। जो दुनिया को यह सिखाते हैं कि मानवता से बड़ा न व्यक्ति होता है न कोई सत्ता।

सत्यापन अभियान में 38 मकान मालिकों का चालान

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाते हुए किरायेदारों का सत्यापन ना कराने वाले 38 मकान मालिकों का चालान कर 3 लाख 80 हजार रूपये का चालान किया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने

❑3 लाख 80 हजार रुपये का किया जुर्माना

थाना क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु नियमित रूप से अभियान चलाकर थाना क्षेत्र में निवासरत बाहरी व्यक्तियों/ किरायेदारों, घरेलू नौकरों के सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के क्रम में कोतवाली पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत लक्खी बाग, मुस्लिम कॉलोनी, रीठा मण्डी आदि स्थानों में सत्यापन अभियान चलाकर बाहरी व्यक्तियों/ किरायेदारों व घरेलू नौकरो के सत्यापन की कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान किरायेदारों का सत्यापन न कराने वाले 38 मकान मालिकों के विरुद्ध पुलिस अधिनियम के अंतर्गत चालानी कार्यवाही करते हुए उनका 3 लाख 80 हजार रूपये का जुर्माना किया गया।

ब्राह्मण महासभा ने की फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप के खिलाफ कार्यवाही की मांग

संवाददाता

देहरादून। ब्राहमण महासभा ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

आज यहां अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड ने जिला मुख्यालय पर पहुंच जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि ब्राहमण महासभा पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा स्थापित है।

उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पूर्व अनुराग कश्यप फिल्म प्रोड्यूसर द्वारा विद्युत संचार माध्यम एवं सामाजिक संचार माध्यम से ब्राह्मणों के लिये अभद्र एवं असंसदीय भाषा का प्रयोग किया, जो अत्यंत निंदनीय, अशोभनीय एवं सनातन धर्म के अनुरुप नही है।

इस घटना से ब्राह्मण वर्ग में दु:ख एवं रोष व्याप्त है। विदित हो कि ब्राह्मण वर्ग, प्राचीन काल से अब तक सनातन धर्म एवं देश की अखंड्ता के लिये ही समर्पित रहा है।

ज्ञापन देने वाले में मुख्य रूप से प्रदेश पदाधिकारी में अध्यक्ष पंडित मनमोहन शर्मा (अधिवक्ता), उपाध्यक्ष महेश कोठारी, महानगर अध्यक्ष पंडित पीयूष गौड, महा सचिव उमाशंकर शर्मा (तीर्थ पुरोहित), संरक्षक शशि कुमार शर्मा संगठन सचिव पंडित मनोज कुमार शर्मा, युवा महासचिव पंडित ललित भट्टी, विधि सलाहकार अनिल पंडित, विपुल नौटियाल मुख्य रूप से उपस्थित थे।

घायल व्यक्ति को पहुंचाया अस्पताल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पुलिस ने घायल हुए व्यक्ति को त्वरित कार्यवाही करते हुए अस्पताल पहुंचाया और उसको फस्टेट उपचार दिलाया गया। पुलिस के इस कार्य की स्थानीय लोगों ने प्रशंसा की है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह 8.30 बजे भगत सिंह चौक पर एक ई रिक्शा पलट गया जिसमें एक सवारी जिसका नाम शिव भोला सिंह पुत्र राम निहोर निवासी कृपाल आश्रम महदूद थाना सिडकुल हरिद्वार के सर पर काफी गंभीर चोट आ गई। जिसको तत्काल अपर उप निरीक्षक यातायात प्रदीप कुमार सिंह द्वारा तुरंत कांस्टेबल शेर सिंह के साथ उठाकर ई रिक्शा पर बैठ कर सिटी हॉस्पिटल ले गये जहां उसके सर पर टांके व आवश्यक उपचार कराकर उसके पारिवारिक जनों को फोन कर अस्पताल बुलाकर उक्त व्यक्ति को उनके सुपुर्द किया गया। पुलिस के इस सराहनीय कार्य की जनता व परिजनों द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी है।

अधिकारी/ मंत्री हैं सिर्फ रबर स्टैंपः नेगी

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि आज हालात ये हो गए हैं कि मंत्री और अधिकारी सिर्फ रबर स्टैंप बन चुके हैं।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि जिस धामी (धकड़) सरकार ने हाल ही में अपना 3 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर जश्न मनाया है, वो एक तरह से भ्रष्टाचार के मामले में उत्तराखंड को देश का भ्रष्टतम राज्य बनाने के लिए मनाया गया है। नेगी ने कहा कि आज हालात ये हो गए हैं कि मंत्री और अधिकारी सिर्फ रबर स्टैंप बन चुके हैं तथा सत्ता का केंद्रीयकरण (हर विभाग में दलालों की तैनाती) हो चुका है, जिसके चलते सारे काम सीएम हाउस से ही दलालों के माध्यम से संचालित हो रहे हैं यानी सरकार ने हर विभाग में अपने एजेंट/ दलाल तैनात कर दिए हैं, जोकि जनता से उगाही करने के लिए खास मकसद से तैनात किए गए हैं।

अधिकांश दलालों में सरकारी कर्मचारी/ अधिकारी एवं कुछ दलाल बाहर से आयात कर उगाही का जिम्मा दे रखा है। प्रदेश में कोई भी काम बगैर इन दलालों के एवं सुविधा शुल्क दिए नहीं होताद्य आज सत्ता की बागडोर सिर्फ और सिर्फ इन दलालों की हाथों में आ गई है। आमजन की सुनने वाला इस प्रदेश में कोई नहीं है, जिसके चलते उनके छोटे-मोटे कामों से संबंधित आवेदन पत्र कूड़े का ढेर बन रहे हैं। नेगी ने कहा कि धामी सरकार ने भ्रष्ट एवं कमाऊपूत अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दे रखी हैं तथा ईमानदार व कर्मठ अधिकारी हासिये पर डाल दिए है। ईमानदार अधिकारी अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। इस महा भ्रष्टाचार के चलते उत्तराखंड देश के भ्रष्टतम राज्यों में पहले नंबर पर आ गया है। पत्रकार वार्ता में मोर्चा महासचिव आकाश पंवार व अतुल हांडा मौजूद थे।

अतिक्रमण के खिलाफ यातायात पुलिस ने चलाया चैकिंग अभियान

संवाददाता

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस ने अतिक्रमण के खिलाफ चैकिंग अभियान चलाया।

आज यहां चारधाम यात्रा 2025 प्रारम्भ होने मे 8-10 दिन का समय शेष रह गया है। चारधाम यात्रा के दौरान सदृढ़ व व्यवस्थित यातायात व्यवस्था हेतु पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे यातायात पुलिस उत्तरकाशी की टीम द्वारा द्वारा निरीक्षक यातायात, राजेन्द्र नाथ के नेतृत्व मे जिला मुख्यालय मे गंगोत्री यात्रा रूट के मुख्य पडाव उत्तरकाशी, ज्ञानसू, तांबाखानी, सब्जी मंडी, भटवाडी टैक्सी स्टैण्ड आदि स्थानों पर चैकिंग अभियान चलाकर रोड पर रखी भवन निर्माण सामग्री, अवैध अतिक्रमण व नो पार्किंग मे खडे वाहनों के खिलाफ चालानी व क्रेन से टो कार्रवाई की गयी।

आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुये सुचारु एवं व्यवस्थित यातायात प्रबंधन मे पुलिस का सहयोग करने की अपील की गयी। जनपद उत्तरकाशी चारधाम यात्रा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, चारधाम यात्रा के दौरान श्री यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम पर प्रतिदिन हजारों की तादाद मे श्रद्धालु यात्रा पर पहुँचते है, यात्रा रूट पर पड़ने वाले विभिन्न पड़ाव/कस्बा मे अत्यधिक भीड़ व ट्रैफिक दबाव से कई बार जाम की स्थितियां बन जाती है, जिससे निजात पाने हेतु यातायात पुलिस द्वारा नो पार्किंग तथा हाईवे पर अनावश्यक अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई करनी शुरु कर दी है, उत्तरकाशी सहित यात्रा रूट पर पड़ने वाले अन्य पड़ाव/कस्बा मे यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

लूट मामले का फरार आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। लूट मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से लूटा गया मोबाइल बरामद हुआ है। हालांकि इस मामले में पुलिस पूर्व में ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। आरोपियों ने चाकू दिखाकर एक व्यक्ति से नगदी व उसका मोबाइल लूटा था।

जानकारी के अनुसार बीते 10 अप्रैल की शाम को शिवालिक नगर जे.के.टी. तिराहे पर तीन अज्ञात बदमाशों द्वारा परम सिंह पुत्र मुन्ने सिंह निवासी ग्राम जयरामपुर सांकली थाना स्योहरा जिला बिजनौर उ.प्र. हाल टीन मार्केट रावली महदूद सिडकुल हरिद्वार के साथ मारपीट हाथापाई कर तथा चाकू दिखाकर उनका मोबाइल फोन, 5 हजार की नगदी व आधार कार्ड लूटने की घटना को अंजाम दिया गया था।

मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी गयी। जिसमें पुलिस ने घटना में शामिल दो आरोपियों सतबीर कुमार पुत्र मांगेराम व टिंकू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। मामले में एक अन्य आरोपी मोहित पुत्र सहेन्दर जो ग्राम मुंडलाना कोतवाली मंगलौर जनपद हरिद्वार फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बीती रात भाईचारा ढाबा सलेमपुर से आगे ज्वालापुर नहर पटरी से गिरफ्तार कर उसके पास से लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया है।

भारी मात्रा में स्मैक सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशा तस्करी मामले में बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 26.25 ग्राम, डिजिटिल तराजू, बाइक व मोबाइल बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात थाना भगवानपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को ग्राम बहबलपुर जाने वाली सडक के पास अन्दर चकरोड पर बाइक सवार एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 26.25 ग्राम स्मैक, डिजिटिल तराजू, व मोबाइल बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम जावेद अली पुत्र इसरार निवासी ग्राम डाडा जलालपुर थाना भगवानपुर हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

भैरव सेना ने की पंचगव्य आचमन को अनिवार्य करने की मांग

संवाददाता

देहरादून। भैरव सेना संगठन ने 'पंचगव्य आचमन' को अनिवार्य करने की मांग की।

आज यहां भैरव सेना संगठन द्वारा दर्जनों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में जिलाधिकारी देहरादून के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री उत्तराखंड पुष्कर सिंह धामी को संगठन द्वारा विगत पांच वर्षों से संचालित 'तीर्थ बचाओ अभियान' के अंतर्गत देवभूमि उत्तराखंड के सभी सिद्धपीठ-शक्तिपीठ, धामों एवं तीर्थ क्षेत्रों के 11 किलोमीटर की परिधि में गैर-हिंदुओं का प्रवेश प्रतिबंध करने के लिए 'पंचगव्य आचमन' को अनिवार्य करने की मांग को लेकर ज्ञापन प्रेषित किया गया।

संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री ने बताया कि संगठन द्वारा 15 अप्रैल से पांचवें चरण का 'पंचगव्य शुद्धिकरण अभियान' कार्यक्रम चारों धामों में चलाया गया। जिसके अंतर्गत सभी तीर्थ क्षेत्रों की मंदिर समिति, ट्रस्ट, हक-हुकुकधारी, पंडा-पुरोहित तथा हिंदू समाज के वरिष्ठ चिंतकों का भारी समर्थन प्राप्त हुआ, और सभी ने खुलकर गैर-हिन्दूओं के प्रवेश को प्रतिबंधित करने के लिए बिना सांप्रदायिक टकराव के 'पंचगव्य आचमन' को सरल उपाय बताया और कहा की सरकार को बिना कुछ सोच-विचार इस विषय पर विधेयक पारित कर शासनादेश बना देना चाहिए। साथ ही खत्री ने कहा कि पंचगव्य शुद्धीकरण अभियान मांग के दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। अवैध धार्मिक घुसपैठ पर अंकुश लगने के साथ ही धार्मिक क्षेत्र में पंचगव्य आचमन करवाने के लिए सभी तीर्थों में आचमन करवाने के लिए प्रति मंदिर दो व्यक्तियों की आवश्यकता पड़ेगी।

पंचगव्य बनाने के लिए भी ग्राम स्तर पर रोजगार उपलब्ध होगा, साथ ही पंचगव्य की उपलब्धता हेतु गोवंश का संरक्षण होगा और गौ हत्या पर भी अंकुश लगेगा। संगठन के केंद्रीय सचिव संजय पंवार ने कहा कि संगठन द्वारा अभियान का पांच यात्राओं के रूप में सफल आयोजन हो चुका है। अभी तक संगठन द्वारा अभियान को शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया गया है, परंतु 5 वर्ष की तपस्या पश्चात भी मांग पर विचार न किया गया तो संगठन आंदोलन के लिए भी रूपरेखा तैयार कर रहा है। कार्यक्रम में उपरोक्त सहित गढ़वाल संभाग अध्यक्ष गणेश जोशी, गौतम बाली, राजकुमार, सुशांत जोशी इत्यादि उपस्थित रहे।

सुमिर का एशियन योगासन चैंपियनशिप के लिए चयन

संवाददाता

देहरादून। श्री गुरू राम राय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ योगिक साइंस एवं नेचुरोपैथी के ीएसी के योगिक साइंस के छात्र सुमिर ज्ञवाली का एशियन योगासन चैपियनशिप के लिए चयन हुआ।

आज यहां श्री गुरुराम राय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ योगिक साइंस एवं नेचुरोपैथी के बीएससी योगिक साइंस के छात्र सुमिर ज्ञवाली का आनेवाले द्वितीय एशियन योगासन चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। योगासन भारत द्वारा स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय हरियाणा सोनीपत में योगासन एशियन ट्रायल का आयोजन किया गया। श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के प्रजीडेंट श्रीमहंत देवेंद्र दास महाराज ने इस उपलब्धि के लिए छात्र सुमिर को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि योग हर व्यक्ति की दिनचर्या में शामिल होना चाहिए। स्वस्थ देशवासी एवं स्वस्थ शिक्षक ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते है। विश्वविद्यालय की वीसी प्रो. कुमुद सकलानी, प्रेजीडेंट के सलाहकार प्रो. जेपी पचौरी, कुलसचिव डॉ. लोकेश गंभीर, डीन यौगिक साइंस प्रो. कंचन जोशी ने भी सुमिर की उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। डीन प्रो. जोशी ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेलों के लिए लगातार चयन होने और हर स्तर पर बेहतर प्रदर्शन से उत्तराखण्ड में योगिक साइंस की शिक्षा के लिए श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय न केवल छात्रों की पहली पसंद बनता जा रहा है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय योग के छात्रों का ध्यान भी विश्वविद्यालय ने तेजी से अपनी ओर खींचा है। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय योग के छात्रों ने जिस तेजी से उच्च शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय में योग विषय में रूचि दिखाई है उससे उम्मीद है जल्दी ही अंतर्राष्ट्रीय छात्र भी बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय में प्रवेश लेंगे।

बाल स्वयंसेवकों का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

संवाददाता

देहरादून। गुरु राम राय नगर स्थित चाणक्य शाखा के बाल स्वयंसेवकों का वार्षिकोत्सव भव्यता और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ।

आज यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देहरादून महानगर (दक्षिण) में संचालित समस्त शाखाओं में वार्षिकोत्सव का आयोजन उत्साहपूर्वक किया जा रहा है। इसी क्रम में देहरादून महानगर (दक्षिण) के अंतर्गत आने वाली गुरु राम राय नगर स्थित चाणक्य शाखा के बाल स्वयंसेवकों का वार्षिकोत्सव भव्यता और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। यह आयोजन निरंजनपुर स्थित माधवी शंकर सरस्वती विद्या मंदिर के प्रांगण में किया गया, जहाँ बाल स्वयंसेवकों ने विविध शारीरिक प्रदर्शन, योग, दंड, नियुद्ध, गीत तथा घोष के माध्यम से संघ की मूल भावना और अनुशासन का परिचय दिया। वार्षिकोत्सव में स्थानीय स्वयंसेवकों के साथ-साथ अभिभावकों, शिक्षकगणों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता महानगर कार्यवाह सतेंद्र ने अपने सारगर्भित विचारों से उपस्थित स्वयंसेवकों और अभिभावकों को संघ के कार्यों, उद्देश्य तथा समाज में उसकी सकारात्मक भूमिका से परिचित कराया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पारुल दीक्षित ने की, उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में बाल स्वयंसेवकों में नैतिक मूल्यों, देशभक्ति और संवैधानिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता का आह्वान किया, कार्यक्रम में नगर संघचालक गिरीजा शंकर कुकरेती एवं महानगर बौद्धिक प्रमुख युद्धवीर भंडारी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा और बढ़ाई। इस अवसर पर विद्यार्थी विभाग से खिलाफ सिंह गड़िया, राहुल पेटवाल, आशीष बुडाकोटी, क्रांति, रितेश एवं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल स्वयंसेवकों के भीतर आत्मविश्वास, संगठनात्मक भावना, अनुशासन तथा राष्ट्रभक्ति के बीज बोना रहा, जो आयोजन की संपूर्णता में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ।

राणा की भारत वापसी से न्याय मिलने की उम्मीद

महेश शर्मा

26 नवंबर 2008 में हुए मुंबई हमले के 166 मृतकों की आत्मा को शांति और उनके परिजनों को न्याय मिलने की अब उम्मीद जगी है। दरअसल, 26/11 मुंबई हमले के मास्टर माइंड तहव्वुर राणा को 15 साल की कानूनी लड़ाई के बाद अमेरिका से भारत लाना कोई साधारण घटना नहीं है। तहव्वुर राणा मुंबई हमले की साज़िश का बड़ा राज़दार है। उसे सब पता है कि पाकिस्तानी सेना के कौन-कौन से अफसर इस साजिश में शामिल थे, लश्कर-ए-तैयबा ने कैसे साजिश को अमली जामा पहनाया और उसमें डेविड कोलमैन हेडली का रोल क्या था। तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडियन नागरिक है। वो पाकिस्तानी सेना में डाक्टर रह चुका है। 1990 में कनाडा गया, फिर अमेरिका में बस गया। अमेरिका में उसकी मुलाकात डेविड कोलमैन हैडली से हुई। डेविड हेडली का असली नाम दाऊद गीलानी है। वो भी पाकिस्तानी मूल का अमेरिकी नागरिक है।

तहव्वुर राणा ने शिकागो में फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन कंसलटेंसी कंपनी खोली और इस कंपनी के जरिए दुनिया भर में लश्कर के आतंकी हमलों को अंजाम देने लगा। डेविड कोलमैन हेडली तहव्वुर राणा की कंपनी का ऑफिस खोलने के बहाने मुंबई आया, हेडली ने मुंबई के उन जगहों की रेकी की, उनके नक्शे पाकिस्तानी सेना और लश्कर के आतंकवादियों को भेजे, जिनके आधार पर 26/11 के हमले के टारगेट सेट किए गए और इन्ही जगहों पर पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 26 नवंबर 2008 को 166 बेगुनाहों का कत्ल किया, जिनमें 6 अमेरिकी नागरिक भी थे। तहव्वुर राणा को भारत लाने के लिए मोदी सरकार को पूरी ताकत लगानी पड़ी।

नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तभी से उन्होंने बार-बार कहा है कि पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देना चाहिए। प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री मोदी ने ये करके दिखाया है। पाकिस्तान को उसी के घर में घुसकर मारा, बालाकोट स्ट्राइक की, एयर स्ट्राइक की और जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटाकर पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया। पाकिस्तान की हालत ये कर दी कि एक-दो देशों को छोड़कर पूरा मुस्लिम विश्व भारत के पक्ष में खड़ा है। इसके विपरीत पाकिस्तान में गृह युद्ध जैसे हालात हैं। हर थोड़े दिन में खबर आती है कि किसी ने पाकिस्तान में आतंकवादी को मार गिराया। अब पाकिस्तान रोता है कि हर कोई उसके घर में घुसकर मार रहा है। दरअसल,जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, उन्होंने आतंकवाद का सफाया किया है, जो जहां है उसे वहां सबक सिखाया। इस बात का असर आज दिखाई देता है। अब पहले की तरह आतंकवादी हमले नहीं होते। बहरहाल, अब इस बात में तिल मात्र की शंका नहीं होनी चाहिए कि तहव्वुर राणा को उसके पाप की सज़ा मिलेगी और जल्दी मिलेगी। उसे या तो मरते दम तक उम्र कैद या फिर फांसी पर टंगा जाएगा। दरअसल, प्रत्यार्पण संधि में अलग-अलग देशों के हिसाब से शर्तें होती हैं। यदि संधि वाले दूसरे देश में फांसी का कानून नहीं है तो फिर भारत अपने यहां फांसी का कानून होते हुए भी मौत की सजा नहीं दे सकता। हालांकि इस केस में भारत और अमेरिका दोनों देशों में मौत की सजा का प्रावधान होने के कारण तहव्वुर राणा को यदि अदालत सजा देती है तो फांसी पर टांगा जा सकता है।

आप हमारे अपने

नक्सलियों से गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि आप हमारे अपने हैं। हथियार डाल कर मुख्यधारा में शामिल हों। जब कोई नक्सली मारा जाता है, तो कोई भी खुश नहीं होता। दंतेवाड़ा में बस्तर पंडुम महोत्सव में समापन समारोह में शाह ने कहा कि मार्च, 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। नक्सलमुक्त घोषित गांवों को एक करोड़ रुपये की विकास निधि देने तथा नक्सलियों की सुरक्षा और पुनर्वास की व्यवस्था सरकार द्वारा सुनिश्चित करने की बात भी उन्होंने की। शाह के बस्तर प्रवास के दरम्यान छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने हैदराबाद में सामूहिक समर्पण किया जिनमें बीस नक्सल महिलाएं भी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से 1967 में शुरू किसानों के विद्रोह को नक्सलवाद कहा गया। इसमें शामिल लोगों को नक्सलवादी या नक्सल कहा जाने लगा। इन्हें मुख्यतया वामपंथी आंदोलनों से जोड़ा जाता है जो माओवादी राजनीतिक विचारधारा का पालन करते हैं। सरकार के अनुसार देश में नक्सल प्रभावित जिले सत्रह से घट कर छह रह गए हैं। छत्तीसगढ़, तेलंगाना, झारखंड और ओडिशा में इनकी जड़ें फैली हुई हैं। बिहार के विभिन्न जिलों को नक्सलमुक्त घोषित किए जाने के बावजूद अभी भी दस जिलों में इनका प्रभाव है। सरकार के प्रति नाराजगी और बुनियादी जरूरियात की मांग को लेकर ये उग्र प्रदर्शन करते रहे हैं। पिछले दिनों नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी ने पर्चा जारी करके सरकार से युद्धविराम की मांग की। नक्सल प्रभावित इलाकों के नौजवान अब बेहतर शिक्षा और रोजगार की तलाश में अपना वक्त लगाना बेहतर मान रहे हैं। जान बचाने के लिए घने जंगलों में भटकने या सुरक्षा बलों का निशाना बनने को वे राजी नहीं हो रहे। गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग लेकर हथियारबंद लड़ाकों को लगातार रिहाइशी इलाकों की तरफ जाने से रोका जा रहा है।

दशकों से चले आ रहे इस सशस्त्र वामपंथी आंदोलन को नेस्तनाबूद करने को दृढ़संकल्पित केंद्र सरकार सफल होती दिख रही है। हालांकि ग्रामीण और बीहड़ इलाकों तक विकास, सड़क, विद्यालय और स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही रोजगार के साधनों की ठोस व्यवस्था ही नौजवानों को मतिभ्रम से दूर रख सकती है। मात्र ओजस्वी भाषणों के भरोसे उनके आवेग/गुस्से को रोका जाना मुश्किल है। (आरएनएस)

शहद से जुड़े इन भ्रमों पर कई लोग करते हैं विश्वास, जानिए इनकी सच्चाई

शहद को अक्सर एक प्राकृतिक और सेहतमंद विकल्प के रूप में देखा जाता है, लेकिन इसके बारे में कई गलतफहमियां भी प्रचलित हैं, जिन पर लोग आंख मूंदकर विश्वास कर लेते हैं। इस लेख में हम शहद से जुड़े पांच ऐसे भ्रमों की चर्चा करेंगे, जो वास्तव में सच नहीं हैं। इन भ्रमों की सच्चाई जानकर आप शहद का सही उपयोग कर सकते हैं और अपनी सेहत का बेहतर ख्याल रख सकते हैं।

कई लोग मानते हैं कि शहद चीनी का सेहतमंद विकल्प है, लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं है। शहद और चीनी दोनों में ग्लूकोज और फ्रक्टोज होते हैं, जो शरीर को समान ऊर्जा देते हैं। शहद में कुछ विटामिन और मिनरल्स होते हैं, लेकिन ये इतनी कम मात्रा में होते हैं कि सेहत पर खास असर नहीं डालते। इसलिए वजन घटाने या मधुमेह के लिए चीनी की जगह शहद का उपयोग करने वाले सोच-समझकर इसका इस्तेमाल करें।

सुबह-सुबह खाली पेट गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने को वजन घटाने का रामबाण उपाय माना जाता है, लेकिन सच्चाई यह है कि केवल गर्म पानी और शहद पीने भर से वजन कम नहीं होता है। वजन घटाने के लिए संतुलित आहार और नियमित एक्सरसाइज जरूरी होता है। हां, गर्म पानी आपके पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और आपको दिनभर तरोताजा महसूस करने में मदद करता है, लेकिन इसका सीधा संबंध वजन घटाने से नहीं होता।

शहद को खांसी-जुकाम के घरेलू इलाज के रूप में देखा जाता है, लेकिन यह हर प्रकार की खांसी-जुकाम पर असरदार नहीं होता है। कुछ मामलों में जहां बैक्टीरियल संक्रमण हो सकता है या एलर्जी हो सकती है वहां केवल शहद काम नहीं करेगा। हालांकि, हल्की-फुल्की सर्दी-खांसी या गले की खराश जैसी समस्याओं में यह राहत दे सकता है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो गले को आराम पहुंचाते हैं।

अक्सर माता-पिता अपने छोटे बच्चों को भी बिना सोचे-समझे शहद दे देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि यह प्राकृतिक चीज होने के कारण सुरक्षित होगा। हालांकि, एक साल से कम उम्र के बच्चों को कभी भी शहद नहीं देना चाहिए क्योंकि इसमें बोटुलिज्म नामक बैक्टीरिया हो सकता है, जो छोटे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने पर गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

शुद्धता और प्राकृतिक गुणों की वजह से कई लोग मानते हैं कि सिर्फ चेहरे पर लगाने भर से त्वचा चमक उठेगी, जबकि असलियत ये होती कि त्वचा की देखभाल सिर्फ बाहरी उपचार तक सीमित न होकर अंदरूनी पोषण भी मांगती होती है। हालांकि, शुद्धता और मॉइस्चराइजिंग गुणों वाली सामग्री जैसे नींबू, दही आदि मिलाकर मास्क बनाकर इस्तेमाल करने पर फायदा जरूर मिल सकता है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -001

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

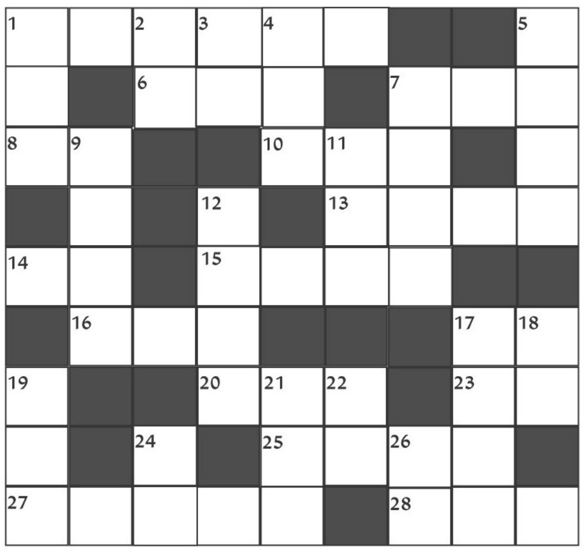

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 100 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

अब 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में आएगी प्रतीक गांधी-पत्रलेखा की फिल्म फुले

प्रतीक गांधी और पत्रलेखा की फिल्म 'फुले' का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। लेकिन अब इस फिल्म के चाहने वालों के लिए झटका देने वाली खबर है। क्योंकि रिलीज से ठीक पहले फिल्म को आगे बढ़ा दिया गया है। फिल्म की रिलीज आगे बढने की एक प्रमुख वजह फिल्म को लेकर उठे राजनीतिक विवाद को माना जा रहा है। जिस वजह से फिल्म अब दो हफ्ते आगे बढ़ गई है।

समाज सुधारक ज्योतिराव फुले और उनकी पत्नी सावित्री फुले के जीवन पर आधारित 'फुले' पहले 11 अप्रैल को रिलीज होनी थी। फिल्म की रिलीज से ठीक पहले अचानक फिल्म को आगे बढ़ाने की वजह तो अभी साफ नहीं हुई है। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि इसके आगे बढने की वजह फिल्म को लेकर उठ रहा विवाद हो सकता है। फिल्म में ज्योतिराव फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले के जाति और लैंगिक अन्याय को लेकर किए गए संघर्ष को दिखाया गया है।

फिल्म को लेकर कुछ एक ब्राह्मण समुदायों ने आपत्ति जताई। इनका कहना है कि फिल्म ब्राह्मणों को बदनाम करने का प्रयास करती है। साथ ही जातिवाद को बढ़ावा देती है। ब्राह्मण समुदायों की ओर से ये भी कहा गया कि फिल्म में अश्वेत ब्राह्मण समुदाय की मदद को दिखाया जाना चाहिए। उनका कहना है कि फिल्म की कहानी एकतरफा जान पड़ती है, जबकि इसे समावेशी होना चाहिए।

हालांकि, मेकर्स की ओर से इसे गलतफहमी का शिकार बताया गया। इसको लेकर मेकर्स ने महाराष्ट्र सरकार में भी बात की। बाद में सेंसर बोर्ड यानी कि सीबीएफसी की ओर से निर्माताओं को फिल्म में बदलाव करने को कहा गया। सेंसर बोर्ड ने फिल्म से जाति व्यवस्था पर चर्चा करने वाले वॉयसओवर को हटाने को कहा। साथ ही महार, मांग, पेशवाई और जाति की मानुस व्यवस्था जैसे शब्दों को हटाने की भी मांग की है, जिन्हें संवेदनशील माना जाता है।

रजनीकांत की एक्शन फिल्म कुली की रिलीज डेट तय!

रजीकांत इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कुली को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। रजनीकांत के फैंस को उनकी फिल्म कुली की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। आज निर्देशक लोकेश कनगराज ने सोशल मीडिया पर फिल्म कुली की रिलीज की आधिकारिक घोषणा कर फैंस को खुश कर दिया है। फिल्म कुली का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है। लोकेश कनगराज ने अपने इंस्टाग्राम पर रजनीकांत का ब्लैक एंड व्हाइट पोस्टर में एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें रजनीकांत सीटी बजाते दिख रहे हैं। और साथ ही कैप्शन में लिखा, देवा आ रहा है, कुली 14 अगस्त से दुनिया भर में।

एक्शन ड्रामा फिल्म कुली के निर्माताओं ने रिलीज की तारीख बताकर फैंस को खुश कर दिया है। यह फिल्म लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी है। कुली 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सन पिक्चर्स ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर भी इसकी रिलीज की जानकारी दी है। एक्स पर लिखा, देवा आ रहा है। कुली 14 अगस्त से दुनिया भर में रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में आमिर खान, नागार्जुन, उपेंद्र, श्रुति हासन, सौबिन शाहिर, सत्यराज, रेबा मोनिका जॉन जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने बनाया है।

पूजा बनर्जी ने अपना स्टूडियो लॉन्च करने के बारे में बताया

अभिनेत्री पूजा बनर्जी ने अपना स्टूडियो शुरू करके उद्यमिता की दुनिया में कदम रखा है। अभिनेत्री ने अपनी खुद की कुछ बनाने की अपनी लंबे समय से चली आ रही इच्छा को साझा किया, इस बात पर जोर देते हुए कि रचनात्मकता और व्यवसाय के प्रति उनके जुनून ने उन्हें यह रोमांचक कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। अपने नए उद्यम के साथ, बनर्जी का लक्ष्य नए अवसरों की खोज करना और दूसरों को उनके उद्यमशीलता के सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना है।

कसौटी जिंदगी की की अभिनेत्री, जो जल्द ही दूसरी बार माँ बनने वाली हैं, मुंबई में एयरबीएनबी पर एक प्रॉपर्टी की भी मालकिन हैं, और अब, उन्होंने अपना खुद का स्टूडियो खरीदकर अपनी सूची में एक और उपलब्धि जोड़ ली है। इस बारे में बात करते हुए, पूजा ने बताया, मैंने वास्तव में बिजनेस मैनेजमेंट और अर्थशास्त्र का अध्ययन किया है, इसलिए मेरा हमेशा से ही व्यवसाय और अपना खुद का कुछ शुरू करने की ओर झुकाव रहा है। मेरे पास पहले से ही एयरबीएनबी पर एक प्रॉपर्टी है, जो मेरा पहला उद्यम था। अब, मैं अपना खुद का स्टूडियो चलाना चाहती थी, इसलिए मैंने अपनी कंपनी, एक्रोम प्राइवेट लिमिटेड शुरू की, जिसके तहत यह स्टूडियो मेरा पहला स्वामित्व है।

उन्होंने कहा, यह एक ऐसी जगह है जिसे लोग शूटिंग, जुम्बा सेशन, पॉडकास्ट और बहुत कुछ के लिए किराए पर ले सकते हैं। दिल्ली में स्थित, मैं इसे अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। यह पूरी तरह से साउंडप्रूफ स्टूडियो है। कृपया इसे अपना प्यार और आशीर्वाद दें।

पूजा ने 2022 में अपनी पहली संतान, बेटी सना का स्वागत किया। पूजा ने 2017 में संदीप सेजवाल के साथ विवाह किया। पूजा ने पहले साझा किया था कि वह और उनके पति हमेशा से दो बच्चे पैदा करने का सपना देखते थे, और वे उस सपने को साकार होते देखकर बहुत खुश हैं।

अब 27 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म कन्नप्पा

विष्णु मांचू स्टारर अपकमिंग माइथोलॉजिकल ड्रामा फिल्म कन्नप्पा 25 अप्रैल 2025 को रिलीज होने वाली थी। अपकमिंग माइथोलॉजिकल ड्रामा फिल्म कन्नप्पा की रिलीज डेट ऑफिशियली चेंज कर दी गई है। मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर नई रिलीज डेट का एलान कर दिया है। लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ एक स्पेशल बैठक के दौरान यह घोषणा की गई, जहां फिल्म की टीम ने एक शानदार पोस्टर को लॉन्च करते हुए फिल्म मेकिंग की झलक दिखाई।

फिल्म की नई रिलीज डेट 27 जून, 2025 तय की गई है, फिल्म को इसके पोस्ट-प्रोडक्शन में देरी होने के कारण पोस्टपोन किया गया है। मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित यह फिल्म भगवान शिव के एक समर्पित भक्त कन्नप्पा की कथा से प्रेरित है। कहानी कन्नप्पा नामक एक नास्तिक शिकारी की है, जो शिव का अनन्य भक्त बन जाता है और उनकी भक्ति में लीन हो जाता है। जहां वह देवता का सम्मान करने के लिए अपनी आंखें बलिदान कर देता है। विष्णु मांचू कन्नप्पा का लीड रोल निभा रहे हैं।

तरण आदर्श ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शेयर करते हुए लिखा, विष्णु मांचू की पैन इंडिया फिल्म कन्नप्पा ने नई रिलीज की तारीख तय की- 27 जून 2025, अपने कैलेंडर पर निशान लगा लें। कन्नप्पा - ऐतिहासिक एक्शन गाथा - अब 27 जून 2025 को रिलीज होने वाली है। मेकर्स ने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ एक स्पेशल मीटिंग के दौरान ऑफिशियली नई रिलीज डेट अनाउंस की है।

सीएम योगी आदित्यनाथ के ऑफिस में अपने दौरे के दौरान, विष्णु मांचू, मोहन बाबू, प्रभु देवा और विनय महेश्वर ने मुख्यमंत्री को एक ग्लास पेंटिंग और अन्य उपहार भेंट किए। सीएम ने फिल्म के पोस्टर पर हस्ताक्षर किए और इसकी सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। फिल्म में अक्षय कुमार भगवान शिव की भूमिका में हैं और काजल अग्रवाल देवी पार्वती की भूमिका में हैं। मोहनलाल और प्रभास कैमियो में दिखाई देंगे। सपोर्टिंग रोल में सरथ कुमार, मधु और ब्रह्मानंदम हैं।

घरेलू हिंसा और झूठे मुकदमों से घुटते पुरुष

रेखा शाह आरबी

हमारे देश में महिला सुरक्षा एक ज्वलंत और महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है । आधुनिक समाज और सरकार की यह मंशा रही है कि महिलाएं किसी भी प्रकार के हिंसा उत्पीडन् और दुर्व्यवहार से सुरक्षित रहे। समाज में महिलाओं को सुरक्षित माहौल मिले और काम करने का अधिकार मिले और वह आत्मनिर्भर बनकर समाज को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।इसके लिए भरसक प्रयास किया गया है । इसके लिए महिलाओं के हित सुरक्षा के लिए अनेक कानून और नीतियां है । जो उन्हें समाज में समान स्थान दिलाने के लिए जरूरी भी था।

दहेज प्रथा भारतीय समाज और महिलाओं के लिए एक अभिशाप था। और इसके उन्मूलन के लिए कानूनी प्रावधान रुपी सशक्त कानून दहेज प्रतिषेध अधिनियम (1961) बनाया गया जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए का उद्देश्य दहेज की प्रताड्ना से प्रताड़ित महिलाओं का उत्पीडन् रोकने के लिए बनाया गया था । जो काफी कारगर भी सिद्ध हुआ है । इस कानून के कारण महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण सुरक्षा बहुत हद तक मिल रहा है । जिससे वह अपना सुरक्षित विकास कर सके।

अपने देश में जब भी सामाजिक न्याय ,शोषण, लैंगिक समानता की चर्चा उठती है । तब सिर्फ महिलाओं को ही शोषित और प्रताड़ित माना जाता है जो कि सर्वथा अनुचित है। पुरुष भी प्रताड्ना के शिकार होते हैं घरेलू हिंसा के शिकार होते हैं । उनके साथ भी अनुचित और घोर अमानवीय व्यवहार होता है।

पुरुष को भी घरेलू हिंसा से टॉर्चर किया जाता है और झूठे मुकदमों में फंसा कर उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 जैसा एक तरफा कानून होने के वजह से पुरुषों को अपनी सुरक्षा के लिए कानूनी संरक्षण नही प्राप्त हो पाता है ।

जिसके कारण वह खुद को लाचार और असहाय महसूस करते हैं। कुछ महिलाएं 498ए धारा को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने लगी हैं ।और दुर्भावना से प्रेरित होकर निर्दोष पुरुष और उनके परिवारों को इस कानून के दायरे में फंसाने के लिए उपयोग करने लगी हैं।

आप सोच कर देखिए यदि कोई महिला अपनी गलत मंशा की पूर्ति के लिए यदि इस कानून का अपने ससुराल वालों के खिलाफ इस्तेमाल करती है। या पति के खिलाफ इस्तेमाल करती है तो वह कितने असहाय हो जाते हैं।

और इसके अलावा हमारे समाज की मानसिकता ऐसी है कि जब भी स्त्री और पुरुष में कोई विवाद का मामला सामने आता है । तो बिना विचार किये पुरुषों को दोषी और अपराधी बता दिया जाता है। जबकि पुरुष भी दोषी हो सकता है महिला भी दोषी हो सकती है इसका पूरी संभावना रहती है।

अधिकांश पुरुष अपने घर की बातें समाज में ले जाने से भी अक्सर कतराते है । क्योंकि उसे उसी समाज में रहना होता है ।और वह अपनी जग हंसाई से डरता है । और जब भी पुरुष दहेज के झूठे मुकदमे में फंसता है या घरेलू हिंसा का शिकार होता है तो वह ज्यादातर घुट घुट कर जीने को मजबूर हो जाता है।

क्योंकि वह जानता है कि ज्यादातर लोगों की सहानुभूति बिना हकीकत को जाने महिला पक्ष की तरफ रहेगी। उसका आत्मविश्वास पहले ही टूट जाता है।

और पुरुष प्रताड्ना का सबसे ज्यादा आधार बनते हैं वह नियम जो स्त्रियों को सुरक्षा देने के लिए बनाए गए । किसी भी वैवाहिक जीवन में विवाद की स्थिति आने पर दहेज प्रतिषेध अधिनियम (1961) के कानून धारा 498ए का पत्नि और उनके परिवार वाले नाजायज और अनुचित फायदा उठाते हैं। और उन्हें कानून के आधार पर डरा धमकाकर अपनी अनुचित और नाजायज मांगो की पूर्ति करते हैं। और पुरुष अपने परिवारजन और अपने आप को बचाने के खातिर ब्लैकमेल होता रहता है।

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए, जो एक विवाहित महिला के प्रति उसके पति या पति के रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता से संबंधित है, अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85 में शामिल की गई है। इस नए प्रावधान में मूल रूप से वही अपराध परिभाषित है, जिसमें किसी महिला के प्रति क्रूरता (शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक) को दंडनीय बनाया गया है, और इसमें कारावास की सजा, जो तीन साल तक हो सकती है, के साथ-साथ जुर्माना भी शामिल है।

कई बार इन कानूनो के वजह से ऐसा हो जाता है कि जहां तक उसके बर्दाश्त की सीमा होती है वहां तक वह यह प्रताड्ना झेलता रहता है। और जब यही प्रताड्ना हद से ज्यादा बढ़ जाती है तो वह सुसाइड की तरफ अपना कदम बढ़ा लेता है।

और इसके एक नहीं अनेक समाज में उदाहरण देखने को मिल रहे हैं। ऐसे प्रताड्ना के शिकार होकर मरने वाले पुरुषों की संख्या दिन-ब-दिन आश्चर्यजनक रूप से बढ़ती ही जा रही है। उदाहरण के लिए आगरा निवासी टीवीएस कंपनी के मैनेजर मानव शर्मा, बेंगलुरु के एआई इंजीनियर अतुल सुभाष, दिल्ली के सॉफ्टवेयर इंजीनियर सतीश या इनके जैसे अनेक नाम मात्र घरेलू हिंसा और पत्नी प्रताड्ना के वजह से अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिए। यह दो-तीन नाम तो मात्र चर्चा में आए और सुर्खियों में आने के कारण लोग जान रहे हैं। लेकिन इनके अलावा भी हजारों ऐसे लोग हैं जो घोर प्रताड्ना के शिकार हैं । और जिनकी खोज खबर लेने वाला भी कहीं कोई नहीं है। वह मर मर कर जीने को मजबूर है ।

यह सब कोई अशिक्षित, बेरोजगार युवा नहीं है बल्कि समाज में अच्छे ओहदे पर कार्यरत और पढ़े लिखे युवा थे । सोच कर देखिए इतने अच्छे ओहदो पर अपनी बुद्धि ,क्षमता, कार्य कुशलता से पहुंचने वाले युवा आखिर ऐसी कौन सी स्थिति बन रही है कि अपने आप को खत्म कर ले रहे हैं। इस सवाल का जवाब समाज को ढूंढना बहुत जरूरी है।

इस पर समाज को विचार करने की बेहद आवश्यकता है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो पुरुष वर्ग का विवाह नामक संस्था से विश्वास पूर्णतया उठ जाएगा। जो समाज में और भी अराजकता और दुराचार फैलाने का कारण बनेगा।

498ए धारा का दुरुपयोग हजारों पुरुषों के जीवन को पूरी तरह तहस-नहस कर देता है । क्योंकि इस कानून के कारण उनको न्याय के लिए बुरी तरह भटकना पड़ता है । किंतु उसे उम्मीद की किरण नहीं दिखाई देती है। और यही निराशा उसकी जान ले लेती है। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 498ए के तहत दर्ज मामलों में लगभग 74 प्रतिशत कोई ठोस सबूत नहीं मिला । 90 प्रतिशत मामलों में पुरुष को अंततः बरी कर दिया गया क्योंकि वह निर्दोष थे। लेकिन इस प्रक्रिया, अवधि में उन्हें सामाजिक, आर्थिक ,मानसिक प्रताड्ना का बुरी तरह शिकार होना पड़ा । जिससे वह टूट जाते हैं और वह इसलिए टूट जाते हैं क्योंकि उनकी बरसों की कमाई, मान, प्रतिष्ठा सब कुछ तहस-नहस कर दिया जाता है। एक पुरुष के लिए उसकी सामाजिक मान , प्रतिष्ठा और उसकी आर्थिक स्थिति काफी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। क्योंकि अभी भी अधिकांश घरों में परिवार की पहली जिम्मेदारी पुरुष के ऊपर ही होती है। उसके कंधों पर ही सारा भार होता है और परिवार में सिर्फ पत्नी नहीं होती है उसके बच्चे होते हैं ,माता-पिता होते हैं ,छोटे- भाई बहन होते हैं। और यदि वह किसी झूठे केस और दहेज के झूठे मुकदमे में फंस जाता है। तो वह अपनी कोई भी जिम्मेदारी ढंग से पूरी नहीं कर पता है जिसके कारण भी वह बेहद गहरे अवसाद में चला जाता है और शायद ही वह फिर कभी अपनी पहले जैसी आर्थिक स्थिति, सम्मान, प्रतिष्ठा को वापस पाता है।

आखिरकार पुरुषों को भी एक सम्मान पूर्वक जीवन जीने का समान रूप से अधिकार है। इसके लिए सरकार जब तक ऐसे झूठे मुकदमे करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही नहीं करेगी। तब तक इस स्थिति में सुधार नहीं आएगा । पुरुष घरेलू हिंसा के झूठे मुकदमों का शिकार होते रहेंगे और अपनी जान गंवाते रहेंगे।

यह तथ्य भी सही है कि स्त्री प्रताड्ना की बहुत अधिक शिकार होती हैं। लेकिन पुरुषों की प्रताड्ना को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है। जितना नारी सशक्तिकरण आवश्यक है। उतना ही पुरुषों को भी न्याय मिलना आवश्यक है। दोनों के हितों की समान रूप से रक्षा होनी चाहिए।

अन्याय चाहे स्त्री के प्रति हो या पुरुष के प्रति हो अन्याय तो अन्याय ही रहेगा। इसलिए अब ऐसे कानून की बेहद आवश्यकता है। जो ऐसे झूठे मामलों में फास्ट ट्रैक कोर्ट के द्वारा जल्द से जल्द फैसला दिया जाए । ताकि निर्दोषों को तुरंत न्याय मिल सके। और वह शांति पूर्वक अपना पारिवारिक जीवन जी सके।एक सभ्य समाज का निर्माण समानता के धरातल पर ही टिक सकता है । स्त्री हो या पुरुष एक वर्ग का असंतोष पूरे समाज को प्रभावित करता है। परिवार ,दोस्तों ,पड़ोसियों को भी चाहिए कि यदि ऐसी स्थिति में प्रताड़ित हुआ कोई दोस्त मित्र उनके संज्ञान में आए तो वक्त पर उस व्यक्ति को मानसिक भावनात्मक सहारा अवश्य दें। जिससे कि वह अपने मानसिक तनाव से लड़ सके । ऐसा करना हो सकता है कि किसी की जान बचा ले।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र.001

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.100का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

किचन में फल-सब्जी काटते समय अपनाएं ये टिप्स!

कई महिलाओं की ये शिकायत होती है कि घर और ऑफिस का काम करते-करते उन्हें अपने लिए समय निकालने का वक्त नहीं मिलता है। ऐसे अक्सर वह स्किन केयर नहीं कर पाती हैं। कई महिलाओं को घर के काम से फुर्सत नहीं मिलती है। दिन भर साफ-सफाई, किचन का काम, बच्चों की देखभाल करने में उनका सारा समय निकल जाता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो ये आर्टिकल आपके बहुत काम का है। यहां हम आपको कुछ ऐसे ब्यूटी टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें आप किचन में सब्जी या फल काटते-काटते भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में।

फल काटते समय करें ये काम

अगर आप किचन में कोई फल काटें तो उसके दो चार टुकड़े फ्रीजर में जमने के लिए रख दें। जब ये अच्छी तरह से जम जाएंगे तो ये क्यूब्स अपने चेहरे पर लगाएं। इसे लगाने से पहले अपना चेहरा जरूर पानी से धो लें। इससे आपको आइस फेशियल और फ्रूट फेशियल दोनों का फायदा मिल सकता है। इसके लिए आप कोई भी फल ले सकती हैं जैसे तरबूज, पपीता, केला, आम ले सकती हैं।

सब्जी काटते समय अपनाएं ये ट्रिक

किचन में खाना बनाते समय टमाटर की अक्सर जरूरत पड़ती है। ऐसे में आप सब्जी काटें तो टमाटर का एक हिस्सा अलग रख लें। उसमें थोड़ी सी हल्दी मिलाकर आप अपने चेहरे पर लगाएं। इसे

आधे घंटे तक चेहरे पर रहने दें। इसके बाद चेहरा पानी से धो लें।इस ट्रिक को अपनाने से आपके चेहरे की टैनिंग दूर होगी। इससे चेहरे पर निखार भी आएगा।

शहद, कॉफी और हल्दी से बनाएं फेस पैक

अमूमन हर किचन में शहद, कॉफी और हल्दी होती ही है। इन तीनों को मिलाकर आप अपने लिए फेस पैक तैयार कर सकती हैं। सबसे पहले शहद की डिब्बी में कॉफी पाउडर और बहुत थोड़ी सी हल्दी मिलाएं। अब जरूरत पड़ने पर इसे कभी भी इस्तेमाल करें। खाना बनाते समय भी आप इसे लगा सकती हैं। ये पैक कई दिनों तक चल जाता है। (आरएनएस)

जिलाधिकारी ने ली मासिक स्टाफ बैठक

हमारे संवाददाता

उधमसिहनगर। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने आज जिला सभागार में मासिक स्टाफ बैठक लेते हुए लम्बित वादों को त्वरित निस्तारण करने व शत-प्रतिशत राजस्व वसूली करने के निर्देश गये है। जिलाधिकारी ने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए न्यायालयों में अभियोजन पक्ष द्वारा पैरवी प्रभावी तरीके से रखने के निर्देश दिये ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके। उन्होने कहा कि मजिस्ट्रेट जांच में किसी भी कारण से विलम्ब न हो, जांच में सम्बन्धित विभाग जांच रिपोर्ट शीघ्रता से दे। उन्होने सड़क दुर्घटनाओं को प्रभावी तरीके से रोकने के निर्देश एआरटीओ, पुलिस, उप जिलाधिकारियों को दिये। उन्होने जनपद में अवैध खनन व भण्डरण पर पूर्ण रोक लगाने के निर्देश उप जिलाधिकारियों व खनन अधिकारी को दिये साथ ही नियमित छापेमारी संयुक्त रूप के करने के निर्देश भी दिये। जिलाधिकारी ने गत वित्तीय वर्ष की राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए चालू वित्तीय वर्ष के लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए अभी से राजस्व वसूली कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होने बड़े राजस्व बकायेदारों से सूची मुख्यालय के साथ ही प्रत्येक तहसीलो में लगाने के निर्देश दिये साथ ही सूची व्हॉटसअप ग्रुपों में साझा करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने आबकारी अधिकारी को जिन मदिरा की दुकानो की नीलामी नही हुई है तुरन्त कराने के निर्देश दिये साथ ही कच्ची शराब व अवैध मदिरा बिक्री पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने हेतु नियमित छापेमारी करने के निर्देश भी दिये। उन्होने सीएम हैल्पलाईन, सीएम जन समर्पण पोर्टल,मजिस्ट्रीयल जांच, आयोग के सन्दर्भो, रिट याचिका सन्दर्भो, आडित आपत्तियों, पेंशन प्रकरणों आदि की आख्या रिपोर्टिंग को समय सीमा के भीतर भेजने के निर्देश दिये। उन्होने सीएम हैल्प लाईन व जन समर्पण पोर्टल में प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुये समय से निस्तारण करने व शिकायतकर्ता से स्वयं वार्ता भी करने के निर्देश भी दिये। बैठक में अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी, पंकज उपाध्याय, एएसपी डॉ. उत्तम सिंह नेगी, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, सीएस चौहान, डॉ.अमृता शर्मा, रविन्द्र बिष्ट, रविन्द्र जुआठा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

नौकर ने निकाले एटीएम से एक लाख 37 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। नौकर ने एटीएम से एक लाख 37 हजार रूपये निकालने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के नुसार बद्रीपुर निवासी मदन जोशी ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके गत वर्ष 2024 अप्रैल से वर्ष 2025 मार्च तक ऑनलाइन ठगी हुई जिसमे उसका होमस्टे में अधिनिस्त कर्मचारी मनीश राय संलिप्त है। जिसका पता उसको तब लगा जब 14 मार्च होली के दिन उसके बगैर एटीएम कार्ड दिये डिफेंस कालोनी स्टेट बैंक एटीएम से 5 बजे एक लाख सैतींस हजार रुपये की धनराशि निकाली गयी जिसकी फुटेज उसके द्वारा बैंक में देखी गयी है। तब जाकर उसकी पुष्टी हुई है, अब वह फरार है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पेट्रोल पम्प पर सिगरेट जलाने को मना किया तो मारपीट कर किया घायल

संवाददाता

देहरादून। पेट्रोल पम्प पर सिगरेट जलाने से मना करने पर युवकों ने मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्पेशल विंग प्रेमनगर निवासी ओमप्रकार गुप्ता ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज उनके पैट्रोल पम्प जो कि केरीगांव प्रेमनगर मे है। में दो बाईक पर 6 लडके थे जिन्होने शराब पी रखी थी। पेट्रोल डलवाते हुये सिगरेट जला रहे थे उसके कर्मचारी ने मना भी किया वो भी नही माने। उसका पुत्र सचिन टैंक लारी खाली करा रहे था उन्होने भी रोकने की कोशिश की लेकिन उन लडको ने गाली गलोच करते हुये धारदार हथियार से वार करने की कोशिश की उन्होंने भाग कर जान बचाई। उन्होने पम्प पर पत्थर बाजी भी की तभी पम्प के सामने से सीओ मैडम गुजर रही थी उन्होंने उनसे मदद मांगी। जिसके बाद वह वहां से भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस महानिरीक्षक ने परिक्षेत्र के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

संवाददाता

देहरादून। पुलिस महानिरीक्षक गढवाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप द्वारा परिक्षेत्रीय कार्यालय पौड़ी में परिक्षेत्रीय स्तर के राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में सर्वप्रथम पुलिस महानिरीक्षक गढवाल परिक्षेत्र द्वारा आगामी शुरू होने वाली चार धाम यात्रा के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, हॉल्टिंग एरिया व रूट डायवर्जन आदि के सम्बन्ध में चर्चा कर सभी जनपदों जैसे टिहरी, पौड़ी, रूद्रप्रयाग आदि के सभी पुलिस अधिकारी आपसी समन्वय व सूझबूझ से यातायत प्लान को जारी करें साथ ही सुव्यवस्थित ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के साथ ही सड़क सुरक्षा हेतु निर्देशित किया गया। हॉल्टिंग एरिया में मूलभूत सुविधाएं जैसे पानी,शौचालय,लाईट का ध्यान रखा जाए जहां जहां पर इस प्रकार की व्यवस्थाएं पूरी नहीं हुई है उन जगहों पर सुविधा पूरी की जाए। चार धाम यात्रा में लगने वाले फोर्स को भलिभांति ब्रीफ कर ड्यूटियां लगानी सुनिश्चित की जाए। सड़क मार्ग पर जगह जगह वाहन चालकों और तीर्थयात्रियों को यहां की सड़कों, अंधे मोड और डेंजर जोन से भी रूबरू करने हेतु साइन बोर्डो को तुरंत सड़कों पर लगाए जाए।

यात्रा सीजन के दृष्टिगत आपदा उपकरणों को अभी से तैयारी की हालत में रखने तथा आपदा के कारण मुख्य सड़क मार्ग बन्द हो जाने पर वैकल्पिक मार्गों के बारे में जानकारी रखने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही फर्जी कॉपरेटिव सोसाइटी/कंपनी से सम्बन्धित धोखाधड़ी के मामले में गहनता से छानबीन करते हुए इस सम्बन्ध में जल्द से जल्द कार्यवाही करने तथा इस धोखाधड़ी में मिले बैंक खातों की सघनता से जांच करने व इसमें संलिप्त पाये जाने वाले लोगों के विरूद्ध आवश्य कार्यवाही करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। समस्त गढ़वाल परिक्षेत्र में विभिन्न जनपदों में इस फर्जी एलयूसीसी कॉपरेटिव सोसाइटी/कंपनी के विरूद्ध पंजीकृत हुए अभियोग में प्रकाश में आये शेष आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी करने व अभियुक्तों की चल व अचल संपत्ति की शीघ्र जांच पूरी करने व सम्पत्ति सीज करने की आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें मुख्य आरोपियों के परिजनों के खातों की भी जांच की जाए यदि वे भी इससे लाभान्वित हुए हैं तो उनके विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। साथ ही इससे सम्बन्धित अन्य अभियोगों के पंजीकृत होने पर यथाशीघ्र प्रभावी रूप से कार्यवाही करें।

जैन मंदिर तोड़ने के विरोध में जैन समाज ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

देहरदून मुम्बई में जैन मंदिर को तोडने के विरोध में जैन मिलन परिवार ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री महाराष्ट्र को ज्ञापन प्रेषित किया गया।

राष्ट्रीय मुख्य कार्य अध्यक्ष एवं अध्यक्ष जैनसमाज के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमन्त्री महाराष्ट्र सरकार को ज्ञापन प्रेषित किया गया। जिसमें मुम्बई में वर्षो पुराने जैन मन्दिर को बुलडोजर चलाकर मुम्वई नगर पालिका द्वारा तोड दिये जाने की घटना पर आक्रोश, चिन्ता, व नाराजगी जताई गयी। राष्ट्रीय कार्य अध्यक्ष नरेश जैन ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे जैन मंदिरों को तोडना, जैन मुनियों पर हमला अहिंसक समाज की आस्था के खिलाप है जिससे हमारी धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंची है/ इससे जैन समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है इस प्रकार की घटनाएं निंदनीय है। अध्यक्ष विनोद जैन ने कहा कि मंदिरों को तोडना हे और मुनियों पर हमला करना जैन समाज के अस्तित्व तथा आत्मा पर वार है जिते बर्दाश्त नही किया जाएगा। ज्ञापन में महानगर पालिका मुंबई के अधिकारी पर तत्काल कार्यवाही एवं मंदिर पुन: निर्माण की आधिकारिक व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया। इस विरोध प्रदर्शन और ज्ञापन कार्य क्रम में समाज के अनेक प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य शामिल रहे। प्रमुख रूप से अध्यक्ष बिनोद जैन, महामंत्री राजेश जैन, जैन भवन के अध्यक्ष सुनील जैन, और प्रवीण जैन, मीडिया कोऑर्डिनेटर मधु जैन, अंकुर जैन, राजीव जैन, मानवाधिकार के सचिन जैन, मधु जैन, वीना, मोनिका, ज्योती, संदीप, अजय जैन, प्रदीप जैन, मनीष जैन, संजीव जैन आदि रहे।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानियों पर अंकुश लगाने को डीएम के माध्यम से सीएम को ज्ञापन प्रेषित किया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन की अपील पर सभी सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्तराखंड में प्राइवेट स्कूलों की मनमानियों पर अंकुश लगाने हेतु सामूहिक भावनाओं के अनुरूप 'उत्तराखंड स्ववित्त पोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम 2025 का प्रारूप बनाकर इसे लागू करने हेतु सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों/जागरूक दून वासियों के हस्ताक्षर उपरांत सामूहिक ज्ञापन जिलाधिकारी कें माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया।

सयुंक्त नागरिक संगठन द्वारा प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर बिन्दुवार समस्याएं जिलाधिकारी को बताई साथ ही उस परिपेक्ष में सुझाव भी दिये। संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा जिलाधिकारी द्वारा जनहित में किये गये कार्यों हेतु धन्यवाद प्रेषित किया और उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की। तत्पश्चात सिविल सर्विस डे के उपलक्ष में एवं उनके द्वारा किये कार्यों के लिये शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा सभी का आभार प्रकट किया और लगातार जनता के सुलभ कार्यों के प्रति अभियान जारी रखने का आश्वासन दिया।

डीएम को शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित

इस अवसर पर मुख्यत: सुशील त्यागी, पदम सिंह थापा, नरेशचंद्र कुलाश्री, जीव एसव जस्सल , प्रदीप कुकरेती, एलवआरव कोठियाल, पंकज उनियाल, मुकेश नारायण शर्मा, चौधरी ओमवीर सिंह, बीव पीव ममगांई , शक्ति प्रसाद डिमरी , दिनेश भंडारी , शान्ति प्रसाद नौटियाल , ठाकुर शेर सिंह, डाक्ट मुकुल शर्मा , दिनेश गोदियाल , संजय गर्ग , प्रभात डण्डरियाल , प्रकाश नागिया , विजय पाहवा, दिनेश उनियाल उपस्थित रहे।

देवभूमि के प्रवेश द्वार पर बनी अवैध मजार को किया ध्वस्त

❑अवैध मजार राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण में बनी थी बाधक

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। देवभूमि के प्रवेश द्वार रुद्रपुर के इंदिरा चौक पर बनी अवैध मजार को राष्ट्रीय राजमार्ग और जिला प्रशासन की टीम ने हटा दिया। इस अवैध मजार को हटाने से पहले नोटिस जारी किया गया था। जिसे आज तड़के ध्वस्त कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार एक ही नाम की कई अवैध मजारे होने की सर्वे रिपोर्ट और राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण में बाधक होने की वजह से इस अवैध मजार को हटाए जाने की कवायद पिछले कई दिनों से चल रही थी। इस नाम से यूपी में कई स्थानों पर अवैध मजारे है।

आज सुबह तड़के की गई प्रशासनिक कार्रवाई में इस अवैध संरचना को हटाकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मार्ग चौड़ीकरण का काम तत्काल शुरू कर दिया। प्रोजेक्ट के मुताबिक ये चौराहा व्यस्त यातायात की वजह से जाम से ग्रसित रहता था अब इसे चौड़ा करके 6 लेन का बनाया जा रहा है। उत्तराखंड के प्रवेश द्वार के पहले चौराहे और यहां खटीमा-पानीपत और दिल्ली-अल्मोड़ा हाईवे मिलता है जिस कारण इस पर भारी यातायात चलता है। इस अवैध मजार को हटाने से पहले पुलिस प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा लगाई थी और विद्युत आपूर्ति बंद करके जेसीबी मशीनों की रोशनी पर काम किया और आधे घंटे में उक्त काम को पूरा कर सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू कर दिया।

एडीएम पंकज उपाध्याय ने बताया कि एनएच के अभियंताओं ने उक्त मार्ग को चौड़ा करने में आ रही बाधाओं का जिक्र किया था जिस पर आज उनके द्वारा कार्रवाई की गई। रोड चौड़ी कर चौराहे पर यातायात के प्रेशर को कम किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड की धामी सरकार अभी तक 534 ऐसी अवैध संरचनाओं को हटा चुकी है।

सचिवालय में एक मई से अनिवार्य रूप से लागू होगी बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने आदेश जारी करते हुए कहा कि सचिवालय में बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली अनिवार्य रूप से लागू किये जाने का निर्णय लिया गया है।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने आदेश जारी करते हुए कहा कि सचिवालय में कार्यरत समस्त सेवाओं यथा भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा, प्रान्तीय सिविल सेवा, न्यायिक सेवा, सचिवालय सेवा, वित्त सेवा एवं आउट सोर्स कार्मिकों को प्रत्येक कार्य दिवस एवं निर्धारित समयावधि में आयोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली के माध्यम से उपस्थिति दर्ज किये जाने हेतु दिशा निर्देश निर्गत किये गये तथा इस क्रम मे सचिवालय प्रशासन अनुभाग-1 के द्वारा बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली को उत्तराखण्ड सचिवालय में 12 मई 2017 से अनिवार्य रूप से लागू किया गया है।

वर्तमान में उक्त आदेशों एवं दिशा निर्देशों का समुचित रूप से अनुपालन न हो पाने के दृष्टिगत सम्यक विचरोपरांत

उत्तराखण्ड सचिवालय में बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली को एक मई 2025 से अनिवार्य रूप से लागू किये जाने का निर्णय लिया गया है।

इस सम्बन्ध में उत्तराखण्ड सचिवालय में कार्यरत समस्त सेवा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली के सम्बन्ध में उक्त कार्यालय-ज्ञाप पांच मई 2017 द्वारा निर्गत दिशा निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक कार्य दिवस में आयोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराना सुनिश्चित करेंगे।

ममता ने हिंदुओं पर अत्याचार की हदें पार कीः सीएम धामी

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंने अब सारी हदें पार कर दी है। वह दिन दूर नहीं जब जनता उनकी सत्ता को उखाड़ फेंकेगी।

मुख्यमंत्री धामी ने अभी हाल ही में मुर्शिदाबाद हिंसा और आगजनी की घटनाओं के लिए ममता बनर्जी पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि हिंदुओं पर अत्याचार के मामले में उन्होंने वामपंथियों को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी को यह नहीं भूलना चाहिए कि यह 50 साल पहले वाला भारत नहीं है। पश्चिम बंगाल में वह जिस तरह वोट की राजनीति कर रही हैं वह अब लंबे समय तक चलने वाली नहीं है। पश्चिम बंगाल की जनता बहुत जल्द ही सत्ता को उखाड़ कर फेंक देगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर जिस तरह से अत्याचार हो रहे हैं उसकी सारी हदें पार हो चुकी है अब और आगे उन्हें बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

हत्या के प्रयास मामले में फरार बदमाश तमंचे सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हत्या के प्रयास मामले में फरार चल रहे बदमाश को पुलिस ने तमंचे सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपने सगे भाई को ही जान से मारने की नियत से तमंचे से फायर झोंक दिया था।

जानकारी के अनुसार बीती 3 अप्रैल को मुराद अली पुत्र सद्दान अली निवासी ग्राम महमूदपुर थाना पिरान कलियर जनपद हरिद्वार ने थाना कलियर पर सूचना दी कि उसके सगे भाई आबाद उर्फ बादु ने उसके घर मे घुसकर गाली गलोच कर मारपीट की। जिसका विरोध करने पर उसने जान से मारने की नियत से देशी तमंचे से फायर किया जिसमे वह बाल बाल बच गया और उसका भाई जान से मारने की धमकी देते हुए वहां

से फरार हो गया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा

सगे भाई को ही जान से मारने की नियत से किया था फायर

दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बीती शाम घटना के दिन से ही फरार चल रहे आरोपी आबाद उर्फ बादु को बावन दर्रा के पास से एक देशी तमंचे व दो कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी कुछ ही दिन पहले ही गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे से जमानत पर जेल से बाहर आया था आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है जो अपराध करने का आदी है।

कुठालगेट सौन्दर्यीकरण, साइड रोड कार्य युद्धस्तर पर जारी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री के ''संस्कृति परम्परा'' संवर्धन के साथ विकास की अवधारणा के संकल्प को जिला प्रशासन फलीभूत करने का प्रतिबद्ध है। जिलाधि

❑डीएम स्वयं कर रहे है इन कार्यो की अपने स्तर पर मॉनिटिरिंग

कारी सविन बंसल के निर्देशन में शहर के चौक चौराहो, शहर के ड्रेनेज सिस्टम आदि समस्त क्षेत्रों में कार्य प्रगति पर है।

कुठाल गेट सहित शहर के अन्य चौक चौराहों के विस्तारीकरण, सुधारीकरण का कार्य युद्धस्तर पर पर गतिमान है। डीएम स्वयं इन कार्यों की अपने स्तर पर मॉनिटिरिंग कर रहे है।

सीएम के निर्देशानुसार बड़ा मकसद लेकर चलें हैं सविन, प्रोजेक्ट कुठालगेट में, जिससे कुठालगेट को सिर्फ एक्सीडेंट न्यूनीकरण नहीं, नई स्लीप रोड, पर्वतीय संस्कृति प्रदर्शन को संभव कर दिखाया जिला प्रशासन ने। डीएम ने गहन विश्लेषण पश्चात: प्रशासन नजर पड़ी तो कुठाल गेट पर नवीन साइड मोटरेबल स्लिप रोड निकाल दी। साथ ही कुठालगेट को परम्परागत शैली, के साथ विकसित कर भव्य बनाया जा रहा है। मा0 मुख्यमंत्री के ''संस्कृति परम्परा'' संवर्धन के साथ विकास की अवधारणा के संकल्प को फलीभूत करते डीएम सविन बसंल। कुठालगेट सौन्दर्यीकरण, साइड रोड कार्य युद्धस्तर पर जारी, मानसून पूर्व समयावधि तय की है। जिससे जनमन, पर्यटकों को सुगम सुविधा, लोक परम्परा सस्कृति, पहाड़ी शैली के दर्शन हो सकेंगे। जाम से मिलेगा निजात, दुर्घटना में आएगी कमी, लाखों पर्यटक धरोहरों, पर्वतीय संस्कृति संजोकर ले जाएंगे। डीएम स्थलीय निरीक्षण कर चुके हैं तथा स्वंय मॉनिटिरिंग कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यो को पूर्ण करने की तय की है डेडलाईन, निर्धारित समयावधि में हरहाल में कार्य पूर्ण करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए गए हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।